एफैंटासिया

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

ग्लासगो विश्वविद्यालय द्वारा किये गए एक अध्ययन में **एफैंटासिया** पर शोध किया गया, जो एक ऐसी स्थिति है जिसमें **व्यक्ति अपने दिमाग में छवियों की कल्पना नहीं कर सकता।**

- एफैंटासिया, पहली बार 1880 के दशक में फ्राँसिस गाल्टन द्वारा उल्लेख किया गया था; "एफैंटासिया" शब्द वर्ष 2015 में न्यूरोलॉजिस्ट एडम ज़ेमन द्वारा गढ़ा गया था।
    - यह लगभग **2% आबादी** को प्रभावित करता है, तथा इसके कारणों और प्रभावों को समझने के लिये निरंतर शोध की आवश्यकता है।
- स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर **हाइपरफैंटासिया** से पीड़ित व्यक्ति होते हैं, जिनकी कल्पना शक्ति असाधारण रूप से ज्वलंत होती है, तथा वे प्रायः मानसिक छवियों का अनुभव करते हैं, जैसे कि वे वास्तविक हों।

और पढ़ें: कॉग्नटिवि टेस्ट

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/aphantasia